REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

B.A. (PROGRAMME) HINDI

CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास
2. मध्यकालीन हिंदी कविता
3. आधुनिक हिंदी कविता
4. हिंदी गद्य साहित्य

1. हिंदी साहित्य का इतिहास

काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त कवि।

1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास – उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

2. मध्यकालीन हिंदी कविता

1. कबीरदास
2. सूरदास
3. तुलसीदास
4. मीराबाई
5. रसखान
6. बिहारी
7. भूषण
8. घनानंद

विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकता एवं अपेक्षा के अनुरूप इन कवियों की रचनाएँ चयनित कर सकते हैं।

3. आधुनिक हिंदी कविता

1.भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

2. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

3. मैथिलीशरण गुप्त

4. जयशंकर प्रसाद

5. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

6. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

7. नागार्जुन

8. नरेश मेहता

विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकता एवं अपेक्षा के अनुरूप इन कवियों की रचनाएँ चयनित कर सकते हैं।

4. हिंदी गद्य साहित्य

- उपन्यास : त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- कहानी : नमक का दारोगा – प्रेमचंद
  आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
  परदा – यशपाल
  वापसी – उषा प्रियंवदा
- निबंध : लोभ और प्रीति – रामचंद्र शुक्ल
  कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी

B.A. (PROGRAMME) HINDI

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

1. हिंदी व्याकरण और संप्रेषण
2. हिंदी भाषा और संप्रेषण

1. हिंदी व्याकरण और संप्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

2. हिंदी भाषा और संप्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
- स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।
- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।
- भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

B.A. (PROGRAMME) HINDI

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

1. कार्यालयी हिन्दी
2. भाषा शिक्षण
3. अनुवाद विज्ञान
4. संभाषण कला
5. भाषा कम्प्यूटिंग
6. रंग आलेख एवं रंगमंच
7. चलचित्र लेखन
8. समाचार संकलन और लेखन

(उपर्युक्त में से कोई चार पाठ्यक्रम)

1. कार्यालयी हिन्दी

- हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप–राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा।
- शिक्षण माध्यम–भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा।
- राजभाषा का स्वरूप, भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी परिनियमावली का सामान्य परिचय, राजभाषा के रूप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं संभावित समाधान।
- टिप्पण (नोटिंग), प्रारूपण/आलेखन (ड्राफ्टिंग), पल्लवन, संक्षेपण।
- विभिन्न प्रकार के पत्राचार, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन प्रक्रिया।
- पारिभाषिक शब्दावली।
- कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग – कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, टेलीप्रिंटर, टेलेक्स, वीडियो कान्फ्रेंसिंग।

2. भाषा शिक्षण

- हिन्दी भाषा एवं शब्द भण्डार – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम।
- प्रतीक भाषा, मिथकीय भाषा, मूक–बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण।
- भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर– प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों– विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में।
- भाषा विज्ञान के मूलाधार– व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास।
- पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढ़ार्थवाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म।
- देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता।
- हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण।
- शैली विज्ञान–प्रारंभिक परिचय।
- हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन।
- हिन्दी भाषा का भविष्य।

3. अनुवाद विज्ञान

- अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार – भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य – वैषम्य। अनुवाद के प्रमुख प्रकार–कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान–विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक।
- अनुवाद के शिल्पगत भेद अविकल अनुवाद (लिटरल), भावानुवाद/छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग, कम्प्यूटर अनुवाद।
- साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप–काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद।
- अनुवाद में पर्यवेक्षण (वेटिंग) की भूमिका।
- वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों/लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद।
- अनुवाद की सम्पादन प्रविधि।
- अनुवादक की अर्हता और सफल अनुवाद के अभिलक्षण।
- विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिन्दी अनुवाद एवं हिन्दी की प्रमुख कृतियों के विश्वभाषाओं में किये गये अनुवाद।
- भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केन्द्र, अनुवाद के राष्ट्रीय प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता।
- हिन्दी अनुवाद का भविष्य।

4. संभाषण कला

- संभाषण का अर्थ। संभाषण के विभिन्न रूप–वार्तालाप, व्याख्यान, वाद विवाद, एकलाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।
- जन सम्पर्क में वाक्कला की उपयोगिता
- संभाषण कला के प्रमुख उपादान – यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण , सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम),वेग, लहजा (एक्सेण्ट)
- संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग) वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.) मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)
- वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।
- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान।
- संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

5. भाषा कम्प्यूटिंग

- कम्प्यूटर प्रबंधन–हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रमुख एप्लिीकेशन पैकेज, वेबसाइट, ई–मेल, वेब सर्फिंग।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सी.डी.,मोबाइल और किंडल, मैग्जीन का निर्माण।
- मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली।
- कम्प्यूटर में डाटा प्रविष्टि, स्मृति (मेमोरी), सूचना संग्रहण।
- कम्प्यूटर मुद्रण।
- सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप।
- संचार प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली।
- संचार भाषा के रूप में हिन्दी की उपलब्धियाँ।
- कम्प्यूटर में हिन्दी के विभिन्न अनुप्रयोग।
- कम्प्यूटर अनुवाद।
- रेडियो और टेलीविजन के कम्प्यूटर साधित कार्यक्रम।

6. रंग आलेख एवं रंगमंच

- नाटक के प्रमुख प्रकार और उनका रचना विधान–पूर्णांकी, एकांकी, लोकनाटक, प्रहसन, काव्यनाटक, नुक्कड़ नाटक, प्रतीकनाटक, भावनाटक, पाठ्यनाटक, रेडियो नाटक, टीवी नाटक।
- हिन्दी नाट्यशास्त्र और नाट्यलेखन का इतिहास
  हिन्दी नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, समस्यामूलक तथा एबसर्ड नाटक।
- हिन्दी के प्रमुख नाटक और नाटककार।
- हिन्दी रंगमंच के प्रमुख रूप –1.शौकिया मंच 2. व्यावसायिक मंच 3. सरकारी मंच।
- हिन्दी क्षेत्र की प्रसिद्ध रंगशालाएं तथा संस्थाएं।
- रंग शिल्प प्रशिक्षण, रंग स्थापत्य, रंग सज्जा, रंग दीपन, ध्वनि व्यवस्था एवं प्रसाधन, निर्देशन एवं अभिनय। रंगमंचीय भाषा की विशेषताएं।
- रंग आलेख की प्रविधि – वस्तुविधान, पात्र परिकल्पना, परिस्थिति योजना, संवाद लेखन का वैशिष्ट्य, रंग निर्देशों की उपयोगिता।
- रंग समीक्षा का महत्त्व।

7. चलचित्र लेखन

- भारतीय सिनेमा का इतिहास।
- हिन्दी की आरंभिक मूक और सवाक् फिल्में।
- विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिन्दी फिल्में, लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद।
- प्रमुख निर्देशक एवं अभिनेता।
- हॉलीवुड फिल्मों की हिन्दी डबिंग।
- बॉलीवुड का हिन्दी फिल्मी उद्योग।
- फिल्म निर्माण की प्रक्रिया।
- हिन्दी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास, संवाद लेखन–प्रणाली या प्रविधि।
- रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिन्दी फिल्मों की भाषिक संरचना।
- वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर।
- हिन्दी में निर्मित विज्ञापन फिल्में (एड्–फिल्में)।
- फिल्मी अभिनेताओं द्वारा उच्चारित संवादों का स्वनिम के आधार पर विश्लेषण।
- हिन्दी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका। हिन्दी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यावहारिक प्रशिक्षण– देवदास (तीनों निर्मितियाँ) तथा शोले।

8. समाचार संकलन और लेखन

- समाचार : अवधारणा, परिभाषा, बुनियादी तत्व, समाचार और संवाद, संरचना (घटक), समाचार मूल्य। समाचार के स्रोत।
- समाचार संग्रह–पद्धति और लेखन–प्रक्रिया : सिद्धान्त और मार्गदर्शक बातें। विकासशील और जनरुचि की दृष्टियाँ।
- समाचार का वर्गीकरण। खोजी, व्याख्यात्मक, अनुवर्तन समाचार।
- संवाददाता : भूमिका, अर्हता, श्रेणियाँ, प्रकार्य एवं व्यवहार–संहिता।
- रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार : विधायिका, न्यायपालिका, मंत्रालय और प्रशासन, विदेश, रक्षा, राजनीति, अपराध और न्यायालय, दुर्घटना एवं नैसर्गिक आपदा, ग्रामीण, कृषि, विकास, अर्थ एवं वाणिज्य, बैठकें एवं सम्मेलन, संगोष्ठी, पत्रकार वार्ता, साहित्य एवं संस्कृति, विज्ञान, अनुसंधान एवं तकनीकी विषय, खेलकूद, पर्यावरण, मानवाधिकार और अन्य सामाजिक विषयों और क्षेत्रों से सम्बन्धित रिपोर्टिंग।
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त समाचारों का पुनर्लेखन।
- लीड : अर्थ, प्रकार, विशेषता, महत्त्व।
- शीर्षक : अर्थ, प्रकार, लिखने की कला, महत्त्व।
- रिपोर्टिंग : कला और विज्ञान के रूप में विश्लेषण, वस्तुपरकता और भाषा–शैली।

B.A. (PROGRAMME) HINDI

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE)

1. लोक साहित्य
2. कबीर
3. तुलसीदास
4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा
7. हिंदी निबंध
8. रेखाचित्र तथा संस्मरण
9. प्रयोजनपरक हिंदी

(उपर्युक्त में से कोई चार पाठ्यक्रम)

1. लोक साहित्य

लोक साहित्य– परिभाषा एवं स्वरूप, लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता, लोक संस्कृति – अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ।

लोक साहित्य के प्रमुख रूप– लोक गीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोकगाथा, लोकोक्ति

लोकगीत – संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रम परिहार गीत, ऋतुगीत।

लोकनाट्य – रामलीला, स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।

लोककथा – व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा। कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय

लोकगाथा – लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा प्रस्तुति।

प्रसिद्ध लोकगाथाएँ – ढोला–मारू, गोपीचन्द–भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयन्ती, लैला–मजनूँ, हीरा–राँझा, सोहनी–महीवाल।

2. कबीरदास

पाठ्य पुस्तक : कबीर ग्रंथावली (सम्पादक–श्यामसुन्दर दास) अथवा

कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

विश्वविद्यालय साखियों एवं पदों का चयन उपर्युक्त पुस्तकों में से कर सकते हैं।

3. तुलसीदास

1. रामचरित मानस : अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 185 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर
2. कवितावली गीताप्रेस, गोरखपुर (केवल उत्तर काण्ड, 30 छंद) छंद संख्या 29,35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 74, 84, 88, 89, 102, 103, 108, 119, 122, 126, 132, 134, 136, 140, 141, 146, 153, 155, 161, 165, 182, 229
3. गीतावली (केवल बालकाण्ड 20 पद) गीताप्रेस गोरखपुर – पद संख्या 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97, 101, 104, 105, 106, 107, 110
4. विनय पत्रिका–गीताप्रेस गोरखपुर (चुने हुए कुल 40 पद) पद संख्या 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272

4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

कविताएँ

1. सखि, वसन्त आया
2. जुही की कली
3. जागो फिर एक बार : 2
4. बादल–राग – 6
5. वर दे वीणावादिनी वर दे!
6. भारति, जय विजय करे!
7. तोड़ती पत्थर
8. बाहर मैं कर दिया गया हूँ
9. स्नेह–निर्झर बह गया है
10. गहन है यह अन्धकारा

कथा साहित्य–बिल्लेसुर बकरिहा

5. छायावादोत्तर हिंदी कविता

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
    - कलगी बाजरे की
    - यह दीप अकेला
2. गजानन माधव मुक्तिबोध
    - भूल गलती
    - एक रंग का राग
3. नागार्जुन
    - अकाल और उसके बाद
    - कालिदास
4. शमशेर बहादुर सिंह
    - सूना सूना पथ है, उदास झरना
    - वह सलोना जिस्म
5. भवानी प्रसाद मिश्र
    - कहीं नहीं बचे
    - गीत फरोश
6. कुँवर नारायण
    - नचिकेता
7. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
    - मैंने कब कहा
    - हम ले चलेंगे
8. केदारनाथ सिंह
    - रचना की आधीरात
    - फर्क नहीं पड़ता

6. हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा

1. मैथिलीशरण गुप्त

2. माखनलाल चतुर्वेदी

3. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

4. सोहनलाल द्विवेदी

5. रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. श्याम नारायण पाण्डेय

7. सुभद्रा कुमारी चौहान

विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकता एवं अपेक्षा के अनुरूप इन कवियों की रचनाएँ चयनित कर सकते हैं।

7. हिंदी निबंध

1. बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
2. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – कछुआ धरम
3. रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है?
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल
5. महादेवी वर्मा – जीने की कला
6. रामधारी सिंह 'दिनकर' – भारत की सांस्कृतिक एकता
7. हरिशंकर परसाई – पगडण्डियों का जमाना
8. विद्यानिवास मिश्र – अस्ति की पुकार हिमालय
9. निर्मल वर्मा – अतीत : एक आत्म–मन्थन
10. कुबेरनाथ राय – एक महाकाव्य का जन्म

8. रेखाचित्र तथा संस्मरण

रेखाचित्र — शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
सेठ गोविन्ददास – मकदूम बख्श
बनारसी चतुर्वेदी – बाईस वर्ष बाद
हजारी प्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता और एक मैना
विष्णुकांत शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक

संस्मरण : अज्ञेय – स्मरण का स्मृतिकार (राय कृष्णदास)
नगेन्द्र – दादा स्व. पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन
माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
महादेवी वर्मा – निराला भाई

9. प्रयोजनपरक हिंदी

- प्रयोजनपरक हिन्दी : अवधारणा और विविध क्षेत्र
- प्रयोजनपरक हिन्दी के सर्जनात्मक आयाम

माध्यम लेखन :

- विविध संचार माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि
  - श्रव्य माध्यम : रेडियो
  - श्रव्य–दृश्य माध्यम : टेलीविजन और फिल्म
  - तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
  - मिश्र माध्यम : विज्ञापन
  - समाचार पत्र
- संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
- रेडियो–लेखन : उद्घोषणा, कार्यक्रम–संयोजन (कंपेयरिंग) समाचार, धारावाहिक, फीचर, रिपोर्ट, रेडियो नाटक, अवयव, रूप और प्रविधि।
- इंटरनेट : सामग्री–सृजन, संयोजन एवं प्रेषण।

अनुवाद :

- अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व
- अनुवाद के प्रकार

B.A. (PROGRAMME) HINDI

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. संगीत एवं साहित्य
3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. आधुनिक भारतीय कविता
5. आधुनिक भारतीय साहित्य
6. संपादन प्रक्रिया और साज सज्जा
7. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र
8. हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

(उपर्युक्त में से कोई दो पाठ्यक्रम)

1. कला और साहित्य

- कला और साहित्य का अंतस्संबंध
- कला और समाज का अंतस्संबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण
- भारतीय कला का विकास
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय महत्व
- कला और हिन्दी साहित्य के सम्बंध की परपंरा
- लोक–कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाट्य कला

2. संगीत एवं साहित्य

- साहित्य और संगीत के अंतस्संबंध
- वैदिक संगीतः सामान्य परिचय
- हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत : सामान्य परिचय
- आचार्य भरत और संगीत
- राग और रागनियाँ तथा उनका गायन समय
- मध्यकालीन वाद्य यंत्र
- सूफी साहित्य और संगीत
- संत साहित्य का संगीतात्मक ग्रंथन विधान
- गुरु ग्रंथ साहिब और संगीत परंपरा
- वैष्णव साहित्य और संगीत
- प्रसाद और निराला के काव्य में संगीतात्मकता

3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्त्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

4. आधुनिक भारतीय कविता

असमिया

- नवकान्त बरुआ
- नीलमणि फूकन

उर्दू

- ग़ालिब
- फ़िराक़ गोरखपुरी

तमिल

- सुब्रमण्यम भारती
- वैरमुत्तु

बांग्ला

- रवीन्द्रनाथ ठाकुर
- काज़ी नज़रुल इस्लाम

संस्कृत

- श्रीधर भास्कर वर्णेकर
- राधावल्लभ त्रिपाठी

गुजराती

- उमाशंकर जोशी
- संस्कृति रानी देसाई

कश्मीरी

- रहमान राही
- चंद्रकांता

विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकता एवं अपेक्षा के अनुसार इनकी कविताओं का चयन कर सकते हैं।

5. आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- मार्क्सवाद एवं अस्तित्त्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- पाठ्यपुस्तकें (उपन्यास) –
  आनंद मठ – बंकिम चंद्र
  मृत्युंजय – शिवाजी सावंत
  आवरण – भैरप्पा
- सुब्रमण्यम भारती की कविताएँ
  विश्वविद्यालय अपनी अपेक्षानुसार चयनित कर सकते हैं।

6. संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा

- संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन–कला के सामान्य सिद्धान्त।
- संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्त्व।
- समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक–लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।
- संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। संपादकीय का समाजिक प्रभाव।
- समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका संपादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन।
- हिन्दी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।
- साज–सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धान्त। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ–निर्माण (डमी), पत्रिका की साज–सज्जा, रंग–संयोजन।

7. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार–प्रविधि, महत्त्व।
- स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य–सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

8. हिन्दी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

- सांस्कृतिक पत्रकारिता : अवधारणा, अर्थ और महत्त्व। परम्परागत, आधुनिक और उत्तर आधुनिक समाज। संस्कृति, लोकसंस्कृति, लोकप्रिय संस्कृति, अपसंस्कृति। बाजार, संस्कृति और संचार माध्यम।
- सांस्कृतिक संवाद : अर्थ, भेद और विशेषताएँ। सांस्कृतिक संवाददाता की योग्यताएँ : आस्वादन, अन्वीक्षण, कल्पनाशीलता आदि। सांस्कृतिक संवाद के क्षेत्रों का परिचय – मंचकला, पर्यटन, पुरातत्व संग्रहालय आदि।
- मंचकला और पत्रकारिता : रंगमंच; संगीत–गायन, वादन (ताल वाद्य, तंत्र वाद्य) और नृत्य के कार्यक्रम संवाद लेखन और समीक्षा। चित्रकला (पेंटिंग, ग्राफिक, टेक्सटाल डिजाइन), शिल्पकला, स्थापत्य कला के कार्यक्रम : संवाद लेखन और समीक्षा।
- पर्यटन पत्रकारिता – प्रमुख धार्मिक स्थलों, स्मारकों और प्राकृतिक सम्पदाओं का परिचय : संवाद लेखन और समीक्षा। छायाचित्र (फोटाग्राफी) और चित्र पत्रकारिताः जनसंचार माध्यम के रूप में छायाचित्र, छायाचित्र लेने की तरीके, उपकरण और प्रयोग की विधि।
- चित्र पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार, चित्र सम्पादन, सचित्र रूपक (फीचर), प्रदर्शनी।
- चलचित्र (छायाछवि/फिल्म) पत्रकारिताः संचार माध्यम के रूप में फिल्म और विडियो, लघुफिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक : परिचय और विकास; फिल्म पृष्ठ का आकल्पन और अभिविन्यास।